

प्रेषक,

चन्द्र शेखर भट्ट,  
प्रभारी सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. निदेशक,  
माध्यमिक शिक्षा,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

2. निदेशक,  
प्रारम्भिक शिक्षा,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-नवसृजित

देहरादून: दिनांक 24 जुलाई, 2017

विषय:-प्रदेश के राजकीय प्रारम्भिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध/इच्छुक सेवानिवृत्त शिक्षक/शिक्षाविदों से निःशुल्क शिक्षण कार्य लिए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उत्तराखण्ड एक विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाला राज्य है। विषय भौगोलिक परिस्थितियों के दृष्टिगत राज्य के प्रत्येक प्रारम्भिक/माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करना एक चुनौती रहा है। इन चुनौतियों में प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी प्रमुख है।

2- प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी के दृष्टिगत छात्रहित/जनहित में राजकीय प्रारम्भिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध/इच्छुक सेवानिवृत्त शिक्षक/शिक्षाविदों से निःशुल्क शिक्षण कार्य लिए जाने का निर्णय लिया गया है।

3- अतः उपरोक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य के प्रारम्भिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में जहां शिक्षकों की कमी हो, में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध ऐसे सेवानिवृत्त शिक्षक/शिक्षाविद जो निःशुल्क रूप से शिक्षण कार्य करने के इच्छुक हो, को निम्नांकित शर्तों के अधीन अनुमति प्रदान किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1)- संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक द्वारा प्रकरण में संबंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी से अनुमति प्राप्त की जानी होगी।
- (2)- निःशुल्क शिक्षण कार्य करने के इच्छुक स्वयंसेवी संबंधित विषय की अपेक्षित जानकारी रखते हो।
- (3)- यदि कोई स्वयंसेवी नवाचारी गतिविधियों द्वारा शिक्षण को प्रभावी बनाने हेतु माडल शिक्षण करना चाहते हैं तो उन्हें भी माडल शिक्षण की अनुमति दी जा सकती है।
- (4)- ऐसे स्वयंसेवियों का शिक्षण कार्य के बदले भविष्य में मानदेय अथवा सेवा के संबंध में किसी प्रकार का कोई भी दावा मान्य नहीं होगा।
- (5)- स्वयंसेवी द्वारा सम्बन्धित विषय के पाठ्यक्रमानुसार ही शिक्षण कार्य किया जायेगा।
- (6)- विद्यालय समय विभाजन चक्र के अनुसार ही स्वयंसेवी को उसी वादन में विद्यालय में शिक्षण कार्य हेतु आमंत्रित किया जाय, जिनमें उनके द्वारा शिक्षण कार्य किया जाना हो, यदि स्वयंसेवी से एक से अधिक वादनों में शिक्षण कार्य लिया जा रहा हो तो, ऐसे वादनो को समय विभाजन चक्र में यथा सम्भव एक साथ रखा जाय।
- (7)- विद्यालय में किसी प्रकार का अवकाश होने की स्थिति से सम्बन्धित स्वयंसेवी को सूचित किया जाय।
- (8)- स्वयंसेवी द्वारा निःशुल्क शिक्षण कार्य करने पर उन्हें विद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में, समुदाय, अध्यापक अभिभावक संघ द्वारा सम्मानित किया जाय तथा शिक्षण के दौरान भी उन्हें अपेक्षित सम्मान प्रदान किया जायेगा।

उपरोक्तानुसार नियमतः आवश्यक/अग्रेत्तर कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय

(चन्द्र शेखर भट्ट)  
प्रभारी सचिव